

# НОЧЬ

слова Фёдора Тютчева

музыка Константина Германова

S  
A

Не остывшая от зно\_ю      ночь июльская блис\_та\_ла      и над тусклою зем\_

Не остывшая от зно\_ю      ночь      блис\_та\_ла      и над зем\_

Не      от      зно\_ю      ночь июльская блис\_та\_ла      и над тусклою зем\_

T  
B

Не      от      зно\_ю      ночь      блис\_та\_ла      и над зем\_

Non Legato!

\_лё\_ю      небо, полное гро\_зо\_ю,      всё в зарницах тре\_та\_ло.      Слов\_но рес\_

\_лё\_ю      не\_бо гро\_зо\_ю      тре\_пе\_та\_ло.     

\_лё\_ю      небо, полное гро\_зо\_ю,      тре\_пе\_та\_ло.

\_лё\_ю      не\_бо гро\_зо\_ю      тре\_пе\_та\_ло.      Словно тяжкие рес\_

\_ни\_цы      над      зем\_лё\_ю      и сквозь зар\_ни\_цы

подымались над зем\_лё\_ю      и сквозь беглые зар\_ни\_цы

и      зар\_ни\_цы

чьи-то грозные зе\_ни\_цы      загорались по\_ро\_ю      по\_ро\_ю...

М.....

чьи - то зе\_ни\_цы      по\_ро\_ю...      загорались по\_ро\_ю...